

फर्द अहकाम

नाम न्यायालय सहायक कलेक्टर अमर मु० जयपुर
 २१०२ बंगला २११२ वरी०

केस संख्या १६/२०

दिनांक आका
 संख्या वा कार्यवाही

२०^३/_{२०१२}

पञ्जवली मस्जिद / लकील ~~मस्जिद~~ ^{शर्की}
 उपाधिकार / शर्की शरीफवा की
 पा० पत्र पर छाप मुनी गई। शर्की
 शरीफवा ने विवेक किया कि उपाधिकार
 पञ्जीकरण को जबरन रद्द करवा
 चाहते हैं निम्न शर्की को अपूरणीय
 क्षति होगी।

इसने पञ्जवली का मस्जिद किया।
 मुलवा लंगोर से संबंधित है। फलकारों
 के मद्रप करवाय होना है। प्रथम दरम्य
 मुनिय्या का संतुलन शर्की के पास
 में प्रतीत होता है। उक्त उक्तपत्रों के
 जर्गरी कम्पार्ट निपेक्षणा के फांटे
 रिकता जाना है कि वि. सा. खसरा
 नंबर २५२ रकबा ०.१२ है, २५२
 रकबा ०.१२ है। ये मस्जिदों के राजस्व
 ग्राहक दोनों का काल में मस्जिदों को
 में मस्जिदों की मस्जिदों में मुलवा के
 निम्नलिखित रूप में पञ्जवली
 (किसी रूप में देखी जा सकती है)

अमर मु० जयपुर